गेहूं से सम्बन्धित

प्रश्नः गेहूं में खरपतवार बहुत हो गई हैं। इसके उपचार के लिए किस दवा का प्रयोग करें?

उत्तरः

पेन्डीमेथीलीन–750 मिली/100 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। अथवा कारपेन्टाजोल + सल्फोसलफ्यूरान 40.0 ग्राम/एकड़ की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्नः गेहूं की फसल में पतली पत्ती का खरपतवार की समस्या है, इसकी रोकथाम के लिये क्या उपाय करें?

उत्तरः

आइसोप्रोप्यूरान 500 ग्राम/एकड़ की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: गेहूं की फसल को गेहूं के मामा की समस्या से कैसे बचाए?

उत्तरः

आइसोप्रोट्यूरान 500 ग्राम/बीघा की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें तथा 2.0 किग्रा यूरिया + 200 ग्राम चीलेटेड जिंक, 100 ली. पानी में घोलकर/बीघा छिड़काव करें।

गेंहू की फसल में फलारिस माइनर

प्रश्न: गेहूं की फसल में पौधों में फुटाव कम हो रहा है इसके लिये क्या करें।

उत्तरः

थायोन्यूट्री–500 ग्राम + माइक्रोन्यूट्रिएन्ट 1.0 किग्रा. प्रति बीघा की दर से यूरिया के साथ मिलाकर डालें।

प्रश्न: गेहूं में अल्टरनेरिया फफूंद व माहू का प्रकोप है, इनसे किस प्रकार बचाव करें?

उत्तर:

थायोन्यूट्री 2.5 ग्राम + एमिडाक्लोप्रिड 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें अथवा जीनेब + हैक्साथोनाजोल 2.0 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूं में अल्टरनेरिया फफूंद व माहू

प्रश्न: मोथा की समस्या से कैसे बचाव करें?

उत्तर:

ग्लाइफोसेट 15.0 मिली प्रति लीटर की दर से मोथा के ऊपर छिड़काव करें तथा खेत में नमी बनाए रखें।

प्रश्न: गेहूं में चौड़ी पत्ती के खरपतवार को कैसे नष्ट करें?

उत्तरः

2, 4–D इथाईलईस्टर 250 ग्राम/बीघा की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूं में चौड़ी पत्ती के खरपतवार

प्रश्नः गेहू की फसल में जड़ की सूडी का प्रकोप है। इसे कैसे नियंत्रित करें?

उत्तरः

क्लोरोपाइरीफास 5.0 मिली/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर जड़ों के पास मोटा फव्वारा बनाकर छिड़काव करें।

गेहू की फसल में जड़ की सूडी

प्रश्न: गेहूं की फसल में जंगली जई/रामजई का प्रकोप है इनसे किस प्रकार छुटकारा पाया जाए?

उत्तर:

कारफेन्टाजोल + सल्फोसल्फ्यूरान–40 ग्राम प्रति एकड़ की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूं की फसल में जंगली जई/रामजई

प्रश्न: गेहूं की फसल में बथुआ बहुत अधिक हो गया है। इसके नियंत्रण के लिये क्या करें?

उत्तर:

2, 4–D सोडियम साल्ट 250 ग्राम/बीघा की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूं की फसल में बथुआ

प्रश्न: गेहू में लवणों का प्रभाव तथा अविकसित पौधों की समस्या है, क्या उपाय करना चाहिए।

उत्तरः

थायोन्यूट्री 1.0 किग्रा. तथा यूरिया 15 किग्रा. मिलाकर प्रति बीघा की दर से डालें।

प्रश्न: गेहूं की फसल में तना भेदक कीट का प्रकोप है, इससे फसल को कैसे बचायें?

उत्तरः

क्लोरोपाइरीफास 2.5 मिली + डी.डी.वी.पी. 1.0 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

प्रश्न: गेहूं की फसल में दाने अविकसित रह जाते है। इसके लिए क्या करना चाहिए?

उत्तरः

माइक्रोन्यूट्रिएन्ट तरल–4.0 मिली + थायोफेनेट मिथाईल 1.0 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्नः गेहूं की बालियों में उकठा रोग लग रहा है किस प्रकार से फसल की सुरक्षा करें?

उत्तरः

सूक्ष्म पोषक तत्व 1.0 किग्रा., 20 किग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर डालें इसके बाद 250 ग्राम सूक्ष्म पोषक तत्व 75 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

प्रश्नः गेहूं की फसल में पत्तियां सूखती जा रही है। इसकी रोकथाम के लिए क्या उपाय करें?

उत्तरः

इसके लिए जिन्कोब 3.0 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

प्रश्न: गेहूं की फसल में खाली दानों की समस्या का निदान कैसे करें?

उत्तरः

इसके लिए सूक्ष्म तत्वों के मिश्रण का छिड़काव करें।

प्रश्नः जीरो टिलेज से गेहूं की बिजाई करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिये?

उत्तरः

- बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिये।
- बीज दर 125 किग्रा प्रति हे0 रखनी चाहिये।
- दानेदार उर्वरक (एन.पी.के) का प्रयोग करना चाहिये।
- पहली सिंचाई बुवाई के 15 दिन बाद करनी चाहिये।
- खरपतवारों के नियंत्रण हेतु रसायनों का समय से छिड़काव।
- भूमि समतल होना चाहिये।